• बाल कविता...

गिलहरी का घर...

एक गिलहरी एक पेड़ पर
बना रही है अपना घर,
देख-भाल कर उसने पाया
खाली है उसका कोटर।
कभी इधर से, कभी उधर से
कुदक-फुदक घर-घर जाती,
चिथड़ा-गुदड़ा, सुतली, तागा
ले जाती जो कुछ पाती।
ले जाती वह मुंह में दाबे
कोटर में रख-रख आती,
देख बड़ा सामान इकट्ठा
किलक-किलककर वह गाती।
चिथड़े-गुदड़े, सुतली, धागे-
सब को अन्दर फैलाकर,
काट कुतरकर एक बराबर
एक बनायेगी बिस्तर।
फिर जब उसके बच्चे होंगे
उस पर उन्हें सुलायेगी,
और उन्हीं के साथ लेटकर
लोरी उन्हें सुनायेगी।

-हरिवंशराय बच्चन

• चुटकुले...

मास्टर – कमीनों पढाई शुरू कर दो पेपर आने वाले हैं
पप्पू – मैं तो खूब पढाई करता हूं कुछ भी पूछ लो।
मास्टर – बता ताजमहल किसने बनाया?
पप्पू – मिस्त्री ने।
मास्टर – अबे गधे मतलब किसने बनवाया।
पप्पू – ठेकेदार ने बनवाया होगा।

रेल के डिब्बे में चिंटू की मां ने चिंटू से कहा – चुपचाप बैठे रहो, शरारत की, तो मारूंगी।
चिंटू – तुमने मुझे मारा, तो मैं टिकट चेकर को अपनी उम्र बता दूंगा।

एक बच्चे ने कहा – मैंने आपकी लिखी पुस्तक पढ़ी है। आप तो बिलकुल अकबर बादशाह की तरह लिखते हैं।
आदमी ने कहा – लेकिन अकबर बादशाह लिखना नहीं जानते थे।
बच्चे ने कहा – तभी तो मैंने कहा है।

• आप जानते हैं...

उड़ने वाला जानवर ...

क्या आपको पता है कि दुनिया का सबसे बड़ा उड़ने वाला जानवर कौन सा है? ये सवाल पूछे जाने पर आपके जेहन में सबसे पहले परिंदों का ख्याल आया होगा। आप सोचने लगे होंगे कि आखिर दुनिया का सबसे बड़ा पक्षी कौन है? चलिए, आपकी मुश्किल हम हल कर देते हैं। आज की तारीख में दुनिया का सबसे बड़ा पक्षी है शुतुरमुर्ग। इसका वजन ड़ेढ क्विंटल तक हो सकता है। इसकी ऊंचाई करीब पौने तीन मीटर तक हो सकती है। इसके पंखों का फैलाव करीब दो मीटर तक हो सकता है। मगर, सबसे बड़ी दिक्कत ये है कि परिंदा होने के बावजूद, शुतुरमुर्ग उड़ता नहीं है। सिर्फ शुतुरमुर्ग ही क्यों, पक्षियों के परिवार के जितने भी भारी-भरकम सदस्य हैं, वो उड़ नहीं पाते हैं। फिर चाहे दक्षिण अमेरिका में मिलने वाले परिंदे एमू हों या रिया। या फिर, न्यू गिनी के जजीरों पर पाया जाने वाला इनका नातेदार, कैसोवरी।

इसी तरह एंपेरर पेंग्विन हों या किंग पेंग्विन। इनका कद अच्छा खासा होता है, मगर ये भी आसमान में नहीं, पानी के भीतर उड़ते हैं। पैंग्विन, पानी के भीतर उड़ते क्या, तैरते हैं। आज, आसमान में उड़ने वाला दुनिया का सबसे भारी-भरकम परिंदा है कोरी नाम का पक्षी। दक्षिण अफ्रीका में मिलने वाले ये पक्षी 19 किलो तक वजन के हो सकते हैं। फैलने पर इनके पंख करीब ढाई फुट तक हो सकते हैं। मगर, दिक्कत ये है कि जमीन पर रहने वाले ये परिंदे बमुश्किल ही उड़ते हैं।

दक्षिण अमेरिका में एंड़ीज के पहाड़ों पर रहने वाला एंडिएन गिद्ध भी उड़ने वाले भारी-भरकम जीवों में गिना जाता है। इस प्रजाति के नरों का वजन पंद्रह किलो तक हो सकता है और इनके पंख दस फुट तक फैल जाते हैं।

वहीं, समंदर के ऊपर उड़ने वाले पक्षियों में वांड़रिंग अल्बाट्रॉस को सबसे बड़ा उड़ने वाला पक्षी कहा जाता है। इनका वजन साढ़े आठ किलो तक हो सकता है और इनके पंख, सभी परिंदों में सबसे ज्यादा लंबे यानी करीब बारह फुट तक फैल सकते हैं। वांड़रिंग अल्बाट्रॉस हजारों किलोमीटर तक उड़ लेते हैं, वो भी बिना अपने पंख फड़फड़ाए।

• बाल-कथा

मुकाबला अब कभी नहीं...

कहां है रैफरी? मुकाबला कब होगा? हाथी चिंघाड़ा।

दर्शक गोल घेरा बनाए मुकाबला देखने के लिए जुटे हुए थे। हाथी की चिंघाड़ सुन कर सब चार कदम पीछे हट गए। इतनी भीड़ कभी नहीं हुई थी। अब तक हुए मुकाबलों में हाथी ही जीत रहा था। लेकिन इस बार हर कोई चुप था। दंगल के शौकीन कुछ भी कहने से बच रहे थे। हाथी अब तक बैल, दरियाई घोड़ा, भालू, सियार, गधा और जिराफ तक को पछाड़ चुका था।

बंदर फुसफुसाया - अब तक हाथी ही दूसरों को चुनौती देता था। लेकिन पहली बार किसी ने उसे चुनौती दी है। लंगूर ने हामी भरते हुए कहा - यार। चुनौती और किसी ने नहीं, उस चुलबुली चींटी ने दी है, जो हाथी की हल्की सी फूंक से कोसों दूर जा गिरेगी। लेकिन चींटी है कहां? मुझे लगता है उसने दंगल शुरू होने से पहले ही हार मान ली।

बंदर ने जोर देकर कहा - कैसी बात करते हो। चींटी ने ही चुनौती दी है और वह मुकाबला शुरू होने से पहले ही हार मान लेगी! तभी चिंपैजी ने सीटी बजाई। वह बोला - दोनों आमने-सामने हैं। मैं मुकाबला शुरू करने के लिए उलटी गिनती शुरू कर रहा हूं। दस, नौ, आठ, सात...

हाथी फिर चिंघाड़ा - मैं तो कब से सामने खड़ा हूं। लेकिन वह पिद्दी-सी चींटी है कहां? चिंपैजी हथेली आगे बढ़ाते हुए चिल्लाया -ये रही चींटी। अरे! हां। यह कुछ कहना चाहती है। दर्शकों के शोर में तुम्हें कुछ सुनाई भी नहीं देगा। मैं इसे तुम्हारे कान के पास ला रहा हूं। यह कहकर चिंपैजी ने अपनी दाएं हथेली हाथी के कान से सटा दी।

शोर बजने लगा। बढ़ता ही गया। रैफरी सीटी बजाता ही रहा। सीटी की आवाज दर्शकों के शोर में दब गई। पहले हाथी ने सिर झुकाया। दो कदम पीछे हटा। बाएं ओर मुड़ा। जिस दिशा से आया था, उसी ओर चल दिया। दर्शकों के बीच से आवाज आई - लगता है चींटी ने हाथी के कान में काट लिया।

दूसरा बोला - चींटी ने हाथी से कुछ मंगवाया है। वह लाता ही होगा।

चिंपेजी चींटी को अपने कान के पास ले गया। चींटी ने सारा किस्सा चिंपेजी को बता दिया। चिंपेजी हंसते हुए सभी को चुप होने का इशारा करने लगा। दर्शक थे कि चुप होने का नाम ही नहीं ले रहे थे। अब गाय चिल्लाई - अरे! चुप भी होते हो कि नहीं। जरा हम भी तो सुने कि मुकाबला क्यों रुक गया? रैफरी ने जोर से सीटी बजाते हुए कहा - अब मुकाबला नहीं होगा।

मुकाबला नहीं होगा! यह क्या बात हुई! इस चींटी ने हाथी के साथ क्या किया? डाल पर बैठा कौआ कांव-कांव करने लगा। चिंपेजी ने जवाब दिया - चींटी ने हाथी के साथ कुछ नहीं किया। हां, उसके कान में जरूर कुछ कहा।

कहा! ऐसा क्या कह दिया कि हाथी मैदान छोड़कर चला गया? लंगूर बोला। बताता हूं। लेकिन तुम सब बताने दोगे तभी न। पहले चुप तो हो जाओ। चिंपेजी ने कहा। अब सब सांस रोककर चिंपेजी का मुंह ताकने लगे।

चिंपेजी ने बताया - चींटी ने हाथी से बस इतना कहा कि तुम बहुत ताकतवर हो। लेकिन दूसरों में भी कुछ न कुछ खूबियां हैं। मुझे ही लो। मैं तुम्हारे पैर में काट सकती हूं। लेकिन क्या तुम मेरे पैर में काट सकते हो? जरा मेरे पैर में काट कर दिखाओ तो जानूं। बस! चींटी की यह बात सुनकर हाथी अपना-सा मुंह लेकर रह गया। वह कुछ बोल नहीं पाया। चुपचाप चला गया। दर्शक हंसने लगे। शोर मचने लगा। चींटी बचते-बचाते मैदान से बाहर चली गई। अब हाथी किसी को चुनौती नहीं देता।

-मनोहर चमोली 'मनु'

बंदर फुसफुसाया – अब तक हाथी ही दूसरों को चुनौती देता था। लेकिन पहली बार किसी ने उसे चुनौती दी है। लंगूर ने हामी भरते हुए कहा – यार।

चुनौती और किसी ने नहीं, उस चुलबुली चींटी ने दी है, जो हाथी की हल्की सी फूंक से कोसों दूर जा गिरेगी। लेकिन चींटी है कहां? मुझे लगता है उसने दंगल शुरू होने से पहले ही हार मान ली...

• जानकारी...

सबसे बड़ी किताब

उत्तरी हंगरी के छोटे से गांव सिनपेत्री के रहने वाले बेला वर्गा ने अपने हाथों से एक किताब बनाई है। दावा है कि यह दुनिया की सबसे बड़ी किताब है। 71 साल के बेला ने इसे बनाने के लिए पारंपरिक बुक बाइंडिंग तकनीक का इस्तेमाल किया। 4.18 मीटर लंबी और 3.77 मीटर चौड़ी किताब में 346 पेज हैं। इसका वजन 1420 किलोग्राम है। किताब में इलाके के वातावरण, गुफाओं, भूभाग की संरचना के बारे में जानकारी दी गई। बेला ने बताया, यह किताब न केवल अपने आकार की वजह से बल्कि इसके निर्माण में इस्तेमाल हुई तकनीक के कारण भी चर्चा में हैं। किताब इस क्षेत्र के बारे में जानकारी देने वाली दूसरी किताबों से अलग है। इसके लिए लकड़ी की टेबल और अर्जेंटीना से मंगाए गए गाय के चमड़े का इस्तेमाल किया गया है। इसके पेज को पलटने के लिए 6 लोग लगते हैं। ये लोग एक मशीन और स्क्रूज की मदद से ऐसा कर पाते हैं। किताब का नाम गिनीज बुक में दर्ज कराएंगे किताब की एक छोटी कॉपी भी तैयार की है, ताकि किताब का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज करवा सकें।

• सिक्कों वाला पेड़...

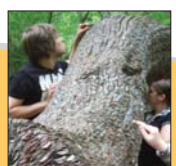

ब्रिटेन की पीक डिस्ट्रिक्ट में लगा है एक विचित्र पेड़। इस पेड़ पर लगे हैं दुनिया भर के सिक्के। करीब 1700 साल पुराने इस पेड़ पर उगे नहीं, बल्कि जड़े गए हैं सिक्के। इस पेड़ को देखने दूसरे देशों से भी लोग आते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस पेड़ पर कोई भी सिक्का गाढ़ता है, तो उसके मन की बात पूरी हो जाती है। यही कारण है कि केवल ब्रिटेन के सिक्के ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के सिक्के इस पेड़ पर जड़े हुए हैं।